

## घणी दूर से दोड़्यो थारी गाडुली के लार

घणी दूर से दोड़्यो थारी गाडुली के लार,  
अर र र, थारी गाडुली के लार,  
गाडी में बिठा ले रे बाबा,  
जाणों है नगर अंजार।

नरसी बोल्यो म्हारे सागे, के करसी,  
ओढ़न कपडा नाहीं,  
बैठ सियां मरसी,  
बूढ़ा बैल टूट्योड़ी गाडी,  
पैदल जावे हार,  
अर र र, पैदल जावे हार,  
गाडी में बिठा ले रे बाबा,  
जाणों है नगर अंजार।

ज्ञान दासजी कहवे गाडुली तोड़ेगा,  
ज्ञान दासजी कहवे तूमड़ा फोड़ेगा,  
घणी भीड़ में टूट जावे,  
म्हारे ईकतारा रो तार,  
गाडी में बिठा ले रे बाबा,  
जाणों है नगर अंजार।

नानी बाई रो भात देखबा चालूंगों,  
पूर्ण पावलो थाली में भी डालूंगों,  
दोए चार दिन चोखा चोखा,  
जीमूँ जीमणवार,  
अर र र, जीमूँ जीमणवार,  
गाडी में बिठा ले रे बाबा,  
जाणों है नगर अंजार।

जोड़े ऊपर बैठ हाँकस्युं में नारा,  
थे करज्यो आराम दाब स्युं पग थारा,  
घणी चार के तड़के थाने,  
पहुचा देऊँ अंजार,  
गाडी में बिठा ले रे बाबा,  
जाणों है नगर अंजार।

टूट्योड़ी गाडी भी आज विमान बणी,  
नरसी गावै भजन,  
सुणे खुद श्याम धणी,  
सूर्या सगळा पीठ थपे ने,  
अर र र, जीवतो रे मोट्यार,  
गाडी में बिठा ले रे बाबा,

जाणों है नगर अंजार।

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21912/title/ghani-dur-se-dorgyo-thari-gaaduli-le-laar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |